Padma Shri



Dr. Harsh Kumar

Dr. Harsh Kumar is currently the Director Glaucoma Services, Centre for Sight and Consultant at Indraprastha Apollo Hospital, New Delhi and formerly Additional Professor at Dr. R.P.Centre, AIIMS. He is widely recognised in national and international fora as a stalwart eye surgeon doing most complicated glaucoma surgeries referred to him from all corners of India and abroad. He has disseminated the knowledge of glaucoma not only to doctors but also to the public at large in order to prevent blindness from Glaucoma, the commonest cause of irreversible blindness in India.

2. Born on November 11, 1958, Dr. Kumar received his MBBS degree with a Gold medal from the All India Institute of Medical Sciences in 1982, MD degree from the Dr. R.P. Centre at AIIMS with a Gold medal in 1985, senior residency from the same institution with best senior resident award 1988. He was then inducted as a teaching Faculty at Dr. R.P. Centre AIIMS. He did a fellowship at University of Illinois at Chicago USA 1996.

3. Dr. Harsh with his co-authors invented nine procedures using the laser technology which were reported first time in the world literature. The prominent amongst them included breaking adhesions between human lens and iris, delimiting the raised portion of the conjunctiva after glaucoma surgery, cleaning the posterior and anterior surface of implanted lens and deepening of the chamber in acute glaucoma all using combination of lasers. He along with Paediatric colleagues was the first person to initiate the screening of premature children at the AIIMS nursery and then made a project to initiate the same in Safdarjang Hospital and Lady Hardinge Medical College resulting in preventing blindness in innumerable low birth premature babies especially belonging to underprivileged section of the society. He with his colleagues in Paediatrics and Radiotherapy initiated a joint clinic at AIIMS such that eye cancer children (retinoblastoma) could be treated under one roof instead of multiple specialities.

4. Dr. Harsh was instrumental in preparing a manual to guide district Ophthalmologists in management of glaucoma under the Health Ministry. He has taken lectures all across the country and abroad to teach the basics and advances in the disease of Glaucoma. He has published 67 papers in international and national peer reviewed indexed journals, Besides he has edited a book on practical aspects of Glaucoma under the Glaucoma Society of lndia, published the first comprehensive book ever on ROP in the World and a book detailing the latest Laser procedures in the Eye. He was the President of Glaucoma Society of India from 2010-12.

5. Dr. Harsh has been awarded numerous honours which include international Scholars Programme award by ECFMG USA, International Eye foundation Project on eradication of ROP blindness, humanitarian service award for eradication of cataract blindness by holding camps in north India, Bodh Raj Sabharwal medal, AC Aggarwal trophy, AN Pandeya oration and Pratap Narain memorial lecture besides many others.



डॉ. हर्ष कुमार

डॉ. हर्ष कुमार, इस समय सेन्टर फॉर साइट में ग्लूकोमा सेवाओं के निदेशक, इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में परामर्शदाता और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र-विज्ञान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व एडीशनल प्रोफ़ेसर हैं। आप राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर देश के सभी स्थानों और विदेशों से अपने पास भेजे जाने वाले जटिल ग्लूकोमा से ग्रस्त मरीज़ों की शल्य चिकित्सा (सर्जरी) करने वाले एक अत्यन्त निष्ठावान, सक्षम और साहसी नेत्र चिकित्सक हैं। आपने ग्लूकोमा से भारत में होने वाली असाध्य अंधता शुरूआत में ही रोकथाम की जानी सुनिश्चित करने के क्रम में न केवल नेत्र-चिकित्सकों बल्कि बड़े पैमाने पर जनता को भी ग्लूकोमा से जुड़ी व्यापक जानकारी से अवगत करवाया है।

2. आपका जन्म नवम्बर 11, 1958 को हुआ। आपने सन् 1982 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से स्वर्ण पदक सहित एम बी बी एस की डिग्री, सन् 1985 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान-संस्थान में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र-विज्ञान केन्द्र से स्वर्ण पदक सहित एम.डी. की डिग्री और इसी संस्था से सर्वश्रेष्ठ सीनियर रेजिडेन्ट पुरस्कार सहित सीनियर रेजिडेन्सी हासिल की। फिर आपको डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद नेत्र-विज्ञान केन्द्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अध्यापन की फैकल्टी में नियुक्त कर लिया गया। आपने सन् 1996 में शिकागो (यू एस ए) में यूनिवर्सिटी ऑव इलिनॉइस में एक फेलोशिप की।

3. आपने अपने सह-लेखकों के साथ लेज़र प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके, नौ ऐसी क्रियाविधियां ईज़ाद कीं, जो विश्व के चिकित्सा संबंधी साहित्य में पहली बार रिपोर्ट की गईं। इनमें प्रमुख और महत्वपूर्ण क्रियाविधियों में, मानव प्राणियों के लेंसों और आइरिस के बीच चिपकाव का हटाया जाना, ग्लूकोमा सर्जरी किए जाने के बाद, कंजक्टिवा के उभरे और ऊपर उठे हुए हिस्से को परिसीमित किया जाना, प्रत्यारोपित लेंसों की पिछली और अग्रवर्ती सतह को साफ किया जाना और प्रचण्ड ग्लूकोमा की स्थिति में चैम्बर को गहरा किया जाना शामिल हैं। इन सभी क्रियाविधियों में लेज़र के कॉम्बिनेशन का इस्तेमाल किया जाता है। आप अपने सभी बालरोग-विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान-संस्थान के शिशु-विभाग में समय पूर्व जन्मे बच्चों की संवीक्षा (स्क्रीनिंग) शुरू करने वाले और उसके बाद सफदरजंग अस्पताल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलिज में ऐसी संवीक्षा (स्क्रीनिंग) शुरू करने के लिहाज़ से परियोजना बनाने वाले पहले व्यक्ति थे। इस संवीक्षा (स्क्रीनिंग) की शुरूआत और इस परियोजना के फलस्वरूप, असंख्य समयपूर्व जन्म लेने वाले कम जन्म-दर के बच्चों, खासतौर से समाज के बुनियादी सुविधाओं से वंचित और पिछड़े तबके के लोगों के बच्चों में अन्धेपन की रोकथाम के कारगर प्रयास किए जा सके। आपने बाल-रोग-विभाग और रेडियो-चिकित्सा-पद्धति-विभाग में अपने साथियों के सहयोग से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान-संस्थान में एक ऐसे संयुक्त चिकित्सा-केन्द्र की शुरूआत की, जिससे नेत्र केंसर (रेटिनो ब्लास्टोमा) से ग्रस्त बच्चों का मल्टी स्पेशिलिटीज़ के स्थान पर एक ही छत के नीचे अर्थात् एक ही स्थान विशेष पर इलाज किया जा सके।

4. आप, स्वास्थ्य-मंत्रालय के अधीन जिला नेत्र चिकित्सकों का ग्लूकोमा के उपचार के प्रबन्धन में मार्ग दर्शन करने के लिए एक नियम-पुस्तक (मैन्युअल) तैयार करने में सहायक रहे। आप ग्लूकोमा की बीमारी के बारे में बुनियादी बातें बताने और इसके इलाज में विकसित हुईं उन्नत क्रियाविधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए देश भर में और विदेश में कई व्याख्यान दे चुके हैं। आप अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अपने समकक्ष चिकित्सकों द्वारा समीक्षा किए जाने वाले जर्नलों में 67 परचे प्रकाशित करवा चुके हैं। इसके अलावा, आपने ग्लूकोमा सोसाइटी ऑव इंडिया के तत्वावधान में ग्लूकोमा के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में एक पुस्तक सम्पादित की है और विश्व में आर ओ पी के बारे में अब तक की पहली व्यापक पुस्तक तथा नेत्र की नवीनतम लेज़र क्रियाविधियों से चिकित्सा के बारे में विस्तृत जानकारीपरक पुस्तक प्रकाशित की है। आप सन् 2010 से सन् 2012 तक ग्लूकोमा सोसाइटी ऑव इंडिया के अध्यक्ष रहे।

5. आपको विभिन्न सम्मानों से विभूषित किया गया है, जिनमें अन्य अनेक सम्मानों के अलावा, ई सी एफ एम जी, यू एस ए द्वारा इन्टरनेशनल स्कालर्स प्रोग्राम अॅवार्ड, इन्टरनेशनल आई फाउंडेशन प्रोजेक्ट ऑन इरेडिकेशन ऑव आर ओ पी ब्लाइंडनेस, उत्तर भारत में शिविर लगाकर मोतियाबिंद से होने वाली अन्धता का उन्मूलन करने के फलस्वरूप मानवतावादी सेवा- पुरस्कार, बोध राज सभरवाल पदक, ए सी अग्रवाल ट्रॉफी, ए एन पाण्डेय ओरेशन और प्रताप नारायण मेमोरियल लैक्चर शामिल हैं।